मौजूदा विकास की गति से पर्यावरणीय संसाधनों पर पड़ रहा है दवाब – प्रो. गिरीश्वर मिश्र

हिंदी विश्वविद्यालय में पर्यावरण दिवस पर वृक्षारोपण कार्यक्रम

वर्धा, 05 जून, 2015; अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण दिवस के अवसर पर महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के शिक्षा विद्यापीठ द्वारा आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम के तहत मुक्तिबोध परिसर में कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र, श्रीमती माधुरी मिश्र, प्रतिकुलपति प्रो. चित्तरंजन मिश्र आदि ने वृक्षारोपण किया।

इस दौरान प्रो.गिरीश्वर मिश्र ने कहा कि इस वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस का थीम है- 'सात अरब सपने, एक पृथ्वी, संसाधनों का सावधानीपूर्वक उपयोग'। आज तेजी से बदलती दुनिया के सामने पर्यावरणीय संकट सबसे महत्वपूर्ण चुनौती के रूप में उभरा है। इस समस्या ने जीवन के अस्तित्व को संकट में डाल दिया है। मौजूदा विकास की गति और स्वरूप ने पर्यावरणीय संसाधनों के ऊपर भारी दबाव डाला है। पर्यावरणीय संकट और अनिश्चितताओं के मद्देनजर दुनिया भर में जिस प्रकार के आधुनिकतम प्रयास किए जा रहे हैं उसमें ईमानदारी और समस्या के जड़ में जाने का घोर अभाव दिखता है। इनसान को पर्यावरण के प्रति सचेत रहने की जरूरत है और पर्यावरण को स्वच्छ रखकर जीवन को विभिन्न प्राकृतिक आपदाओं से बचाया जा सकता है। हम पर्यावरण दिवस के मौके पर यह सुनिश्चित करें कि अपने जन्मदिवस या किसी अन्य मौके पर एक पौधा न सिर्फ लगाएं बल्कि उसकी देखभाल भी करें, ताकि आने वाले समय में दूषित पर्यावरण से होने वाली विभिन्न बीमारियों और आपदाओं का सामना किया जा सके।

इस अवसर पर प्रतिकुलपति प्रो. चित्तरंजन मिश्र ने कहा कि तपती गर्मी और पानी के अभाव के बावजूद भी परिसर हरा-भरा दिख रहा है, इसमें समर्पण के भाव को देखा जा सकता है। नीम यहां की जलवायु के अनुकूल है और इससे पर्यावरण भी स्वच्छ रहता है। विश्वविद्यालय परिसर एक बेहतरीन बगिया के रूप में विकसित हो रहा है। यहां बौद्धिक व संरचनात्मक विकास के साथ-साथ पर्यावरण का संरक्षण भी किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि परिसर में सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट लगाया गया है जिससे सीवर का पानी शुद्ध होकर पौधों की सिचाई में काम आएगा।

गौरतलब है कि 212 एकड़ के परिसर में 99 एकड़ भूमि को 'ग्रीन जोन' घोषित किया गया है। इस भूमि में कई हजार पेड़-पौधे लगाए गए हैं। कभी उजाड़ सी दिखने वाली पहाड़ी में हरियाली लोगों को आकर्षित करती है। गांधी व कबीर पार्कों को दर्शनीय स्थल के रूप में जाना जाने लगा है। नागार्जुन सराय व फादर कामिल बुल्के अंतरराष्ट्रीय छात्रावास के सामने का उद्यान लोगों के मन को भाता है। वृक्षारोपण कार्यक्रम में प्रो. अनिल के. राय, प्रो. देवराज, नरेन्द्र सिंह, डॉ. एम.एम.मंगोड़ी, डॉ. शोभा पालीवाल, डॉ. गोपाल ठाकुर, राजेश कुमार यादव, डॉ. अमित विश्वास, डॉ. मिथिलेश कुमार, धर्मेन्द्र शंभरकर, डॉ. अमित त्रिपाठी, ज्योतिष पायेंग, मनोज चौधरी आदि ने भी पेड़ लगाया।

-डॉ. अमित विश्वास